

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून 2012

समय : 3 घण्टे

प्रश्न पत्र-I

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (साधारण ज्योतिष)

1. (क) ज्योतिष में स्कन्धत्रय का वर्णन करें। अन्य किन शाखाओं को इसमें सम्मिलित किया जा सकता है?
(ख) रिणानुबन्धन को उदाहरण के साथ समझाए।
(ग) भाग्य तथा स्वतंत्र इच्छा शक्ति पर चर्चा करें।
2. रिक्त स्थान भरें।
(क) ग्रंथकार ----- जिन्होंने ताजिक के बारे में लिखा तथा परिणाम दिए।
(ख) उत्पल भट्ट के द्वारा लिखित ग्रंथ ----- हैं।
(ग) वैवज्ञव्य वल्लभ के रचियता ----- हैं।
(घ) भद्रेश्वर के द्वारा ----- रचित है।
(ङ) समस्त भूमि तत्व राशियाँ ----- को दर्शाते हैं। (पुरुषार्थ)
(च) जन्मांग में ----- भाव मोक्ष भाव को दर्शाते हैं।
(छ) वेदान्त में शिक्षा ----- से सम्बन्धित है।
(ज) ----- प्राचीनतम वेद है।
(झ) ----- त्रिकोण में दूररी कोई मूल त्रिकोण राशि नहीं होती है।
(ञ) मध्य काल में, ----- की रचना भारद्वाज भट्ट ने की थी।
3. ग्रहों की भूमिका के पीछे विज्ञान की क्या भूमिका है?
4. (क) भगवान विष्णु के दशावतारों के वंश से ग्रह दर्शाते हैं।
(ख) संचित, प्रारब्ध और क्रियाभाज कर्म की व्याख्या करें।
5. निम्न के उत्तर दें।
(क) आगामी कर्म क्या है?
(ख) कारण शरीर की व्याख्या करें।
(ग) वेदान्तों के नाम लिखें।
(घ) शकुन की महत्ता का वर्णन करें।

भाग-II (ज्योतिष से सम्बन्धित खगोल शास्त्र)

6. निम्नलिखित के उत्तर दें।
(क) सूर्य तथा चंद्रमा कभी कभी क्यों नहीं होते, समझाए।
(ख) स्पष्ट रेखाचित्र की सहायता से ऋतुओं के परिवर्तन का वर्णन करें।
7. उत्तर दें :-
(क) पात क्या हैं?
(ख) चंद्र ग्रहण किस प्रकार होता है?
8. यदि सूर्य 96 अंश तथा चंद्रमा 7 अंश पर है तो, तिथि, नक्षत्र योग तथा करण की गणना करें।
9. स्पष्ट चित्र की सहायता से ग्रहों के वक्रों होने कि क्रिया का उल्लेख करें।
10. पाश्चात्य तथा भारत की वैदिक ज्योतिष में क्या अंतर है?